सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– **746**
01/10/2018

गाँधी–दर्शन को शिक्षा–व्यवस्था में समाहित करना श्रेयस्कर होगा–राज्यपाल

पटना, 01 अक्टूबर 2018 ::–''पटना विश्वविद्यालय का 'स्थापना–दिवस' राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के 'जन्म–दिवस' से एक दिन पूर्व मनाया जाता है। यह अवसर स्वतः यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि हम 21वीं शताब्दी की शिक्षा–व्यवस्था में गाँधी जी के विचारों की उपादेयता पर सकारात्मक रूप से विचार करें। विश्वभर में बढ़ते तनाव, हिंसा, क्षेत्रवाद और आतंकवाद के बीच 'गाँधीवाद' और गाँधी के शिक्षा–दर्शन पर विचार करना आवश्यक है। आज की शिक्षा व्यवस्था को सिर्फ उपाधि प्रदान करने वाली शिक्षा न बनाकर, इसे 'कौशल–विकास', 'स्टार्ट–अप', भारतीय संस्कृति की विविधता में एकता वाली छवि तथा राष्ट्रवादी समता और समरसतामूलक चिन्तन–धारा, जो कि भारत की मूल आत्मा है, से जोड़ना श्रेयस्कर है।'' –उक्त विचार, महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने पटना विश्वविद्यालय के '101वें स्थापना दिवस समारोह' को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कहा कि हाल के दिनों में बिहार के उच्च शिक्षा क्षेत्र में कई मूलभूत सुधारवादी परिवर्तनशील कदम उठाए गए हैं। स्नातकोत्तर स्तर पर CBCS पाठ्यक्रम को लागू करना, नियमित रूप से स्वच्छता–अभियान चलाना, समस्त शैक्षणिक डिग्री को Digital Form में रखने हेतु NAD के साथ जोड़ना, पटना विश्वविद्यालय को प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र घोषित करना, उन्नत भारत अभियान में शामिल होना, जिसके अंतर्गत पाँच गाँवों को गोद लिया गया है –ये कुछ ऐसे कार्यक्रम हैं, जो पटना विश्वविद्यालय की प्राचीन गरिमा को फिर वापस ला सकते हैं।

श्री टंडन ने कहा कि विश्वविद्यालय की बुलंदी के दो प्रमुख आधार स्तम्भ होते हैं –शिक्षक और छात्र। विश्वविद्यालय को आगे ले जाने में विद्यार्थियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। पटना विश्वविद्यालय में नए नियम के अनुसार 'छात्र संघ' का एक कार्यकाल पूरा हो चुका है और मुझे बताया गया है कि सत्र 2018–19 के लिए पटना विश्वविद्यालय 'छात्र संघ' के चुनाव भी शीघ्र ही कराये जायेंगे। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थियों को छात्रहितों की बात को ध्यान में रखकर अगला चुनाव कराने में आगे आते हुए नए मूल्यों की स्थापना करनी चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि पटना विश्वविद्यालय की गौरवगाथा को भारत ही नहीं पूरा विश्व जानता है। यह स्वतंत्रता–आंदोलन का बहुत बड़ा केन्द्र रहा है। 'संविधान–सभा' के प्रथम अध्यक्ष डॉ॰ सच्चिदानन्द सिन्हा इस विश्वविद्यालय के कुलपति रह चुके हैं। डॉ॰ रामधारी सिंह 'दिनकर' की राष्ट्रीयता से जुड़ी फौलादी आवाज इसी परिसर से ही प्रारंभ हुई थी। इसी 'व्हीलर सीनेट हाऊस' से लोकनायक जयप्रकाश नारायण द्वारा 'सम्पूर्ण क्रांति' की आवाज भारत के हर कोने तक पहुँचायी गयी थी। 14 अक्टूबर, 2017 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जब विश्वविद्यालय के 'शताब्दी समारोह' के उद्घाटन–कार्यक्रम में आये थे, तब उन्होंने भी खुले मंच से पटना विश्वविद्यालय को विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय की प्रतिस्पर्धा में आने का निमंत्रण दिया था। उनका यह निमंत्रण विश्वविद्यालय की गौरवशाली विरासत पर आधारित था।

राज्यपाल ने कहा कि राज्य में विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा के गुणात्मक सुधार हेतु सार्थक चर्चा के लिए विगत माह 27 सितम्बर को कुलपतियों की बैठक बुलाई गई थी। लगभग 7

घंटे तक चली इस बैठक में कई विन्दुओं पर ठोस निर्णय लिये गये थे। इस बैठक में स्पष्ट कर दिया गया था कि हर हालत में विश्वविद्यालय परिसर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अनुकूल वातावरण का सृजन होना है। परीक्षा–कैलेण्डर का शत–प्रतिशत पालन तथा डिग्री–वितरण के लिए 'दीक्षांत समारोह' का आयोजन भी नवम्बर–दिसम्बर में हर साल होगा। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार जब संसाधनों और धनराशि की कोई कमी नहीं होने दे रही, तो इनका सदुपयोग करते हुए सही व्यवस्था बहाल करने में हम पीछे नहीं रहना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि कुलपतियों को अपने पद की गरिमा के अनुकूल, ऊँची–से–ऊँची छलाँग लगाने में सक्षम भारतीय युवा प्रतिभाओं का समुचित मार्ग–दर्शन करना होगा। श्री टंडन ने कहा कि हम 'चांसलर अवार्ड' शुरू करने जा रहे हैं। उत्कृष्ट विद्यार्थी, प्राचार्य, शिक्षक, कुलसचिव, कुलपति –सबके लिए इसमें अवसर होगा। विश्वविद्यालयों में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, वे और बढ़िया प्रदर्शन करेंगे।

राज्यपाल ने पटना विश्वविद्यालय के 'स्थापना–दिवस' के अवसर पर सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों, विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों आदि को बधाई और शुभकामनाएँ दी।

बैठक में बोलते हुए कुलपति प्रो॰ रासबिहारी प्रसाद सिंह ने पटना विश्वविद्यालय की ऐतिहासिक विरासत को याद करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में गुणात्मक सुधार के लिए तेजी से कार्य हो रहे हैं। अपने सामाजिक दायित्वों को निर्वाह करते हुए विश्वविद्यालय आधुनिक शिक्षा–पद्धति के प्रगतिशील तत्वों को भी अपना रहा है।

कार्यक्रम में स्नातक स्तर पर सर्वोच्च स्थान प्राप्त करनेवाले सभी विधार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने पटना विश्वविद्यालय का 'एप्स' भी लांच किया।

कार्यक्रम में धन्यवाद–ज्ञापन प्रतिकुलपति प्रो॰ डॉली सिन्हा ने किया। कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह एवं कुलसचिव कर्नल मनोज मिश्रा सहित सभी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, प्राचार्यगण एवं विश्वविद्यालय के पदाधिकारीगण आदि भी उपस्थित थे।

.....